जंभेश्वर को जप ले प्राणी मैं समझाऊं घड़ी घड़ी लिरिक्स

आम की डाली कोयल बोले,
बात बताऊं खरी खरी,
जंभेश्वर को जप ले प्राणी,
मैं समझाऊं घड़ी घड़ी।bd।

गुरुधाम समराथल में,
नर नारी रो मेलो है,
जंभेश्वर रो ध्यान धरो,
हरदम रेवे भेलो है,
गांव गांव और नगर नगर में,
धूम मची है गली-गली,
जँभेश्वर को जप ले प्राणी,
मैं समझाऊं घड़ी घड़ी।bd।

धन दौलत सब उम्र कमानो,
दोय घड़ी शुभ काम करो,
एड़ो अवसर हाथ नहीं आवे,
चाहे जतन हजार करो,
तन मन धन अर्पण कर दो,
गुरुधाम है आप धणी,
जँभेश्वर को जप ले प्राणी,
मैं समझाऊं घड़ी घड़ी।bd।

आप बसे बैकुंठ धाम में,
भगता पर थे मेहर करो,
ज्ञान ध्यान के तुम हो सागर,
सुखी नदियां नीर भरो,
प्यासी बगीया मे रस भर दो,
हो जावे वह हरि भरी,
जँभेश्वर को जप ले प्राणी,
मैं समझाऊं घड़ी घड़ी।bd।

आपकी शरणे जो कोई आवे,
नैया देखो पार करो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

दास सुभाष पर कृपा किजो,
बात बतावे खरी खरी,
जँभेश्वर को जप ले प्राणी,
मैं समझाऊं घड़ी घड़ी।bd।

आम की डाली कोयल बोले,
बात बताऊं खरी खरी,
जंभेश्वर को जप ले प्राणी,
मैं समझाऊं घड़ी घड़ी।bd।

स्वर – खुशबू कुंभट।
प्रेषक – सुभाष सारस्वत काकड़ा।
9024909170

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com